

परिमार्जन पुं. (तत्.) 1. धोने या माँजने का कार्य, अच्छी तरह धोना, परिशोधन करना 2. एक विशेष मिठाई जो घी तथा शहद में डुबो कर बनाई जाती है।

परिमार्जित वि. (तत्.) धोया या माँजा हुआ, साफ किया हुआ, परिष्कृत।

परिमित वि. (तत्.) 1. जिसका परिमाण ज्ञात हो, जिसकी नाप-तौल कर ली गई हो, नपा-तुला 2. न कम न अधिक, उचित परिमाण या मात्रा में यथा- इस विषय में उनकी जानकारी अत्यंत परिमित है 3. सामान्य, सीमित।

परिमित कथी वि. (तत्.) 1. जो नाप-तौल कर बोलता हो, उतना बोलना जितना उचित या अपेक्षित हो 2. अल्पभाषी, कम बोलने वाला।

परिमितायु वि. (तत्.) कम उम्र पाने वाला, अल्पजीवी, थोड़ी उम्र वाला।

परिमिताहार पुं. (तत्.) अल्पभोजी, कम खाना या कम सेवन करना, परिमित-आहार।

परिमिति स्त्री. (तत्.) 1. नाप, सीमा, तौल, परिमाण आदि 2. परिमिति होने की अवस्था या भाव 3. क्षितिज 4. प्रतिष्ठा, मर्यादा, इज्जत, सम्मान।

परिमिलन पुं. (तत्.) 1. स्पर्श, छूना, संयोग 2. अच्छी तरह से मिलना, आलिंगनबद्ध होना।

परिमिलित वि. (तत्.) 1. मिला हुआ, मिश्रित 2. आपूर्ण, भरा हुआ, परिव्याप्त।

परिमीढ़ वि. (तत्.) मूत्रसिक्त, मूत्र से सना हुआ।

परिमुक्त वि. (तत्.) पूर्णतः स्वाधीन, सम्यक रूप से मुक्त, नितांत स्वतंत्र।

परिमुक्ति स्त्री. (तत्.) बंधन मुक्ति, छुटकारा, पूर्णतः मुक्ति।

परिमुग्ध वि. (तत्.) 1. आकर्षक, सुंदर 2. सुंदर या आकर्षक होकर भी मूर्ख।

परिमूढ़ वि. (तत्.) 1. विचलित 2. व्याकुल, घबराया हुआ, परेशान 3. क्षोभित।

परिमृदित वि. (तत्.) 1. कुचला हुआ, रगड़ा या पीसा हुआ 2. आलिंगित।

परिमृष्टि स्त्री. (तत्.) धोना, माँजना, परिष्कार या परिमार्जन करना, परिमृष्ट होने का भाव।

परिमेय वि. (तत्.) 1. नापे जाने योग्य, जिसे नापा-तौला जा सके 2. संकुचित, सीमित, ससीम, संख्या में कम 3. जिसे नापा-तौला जाता हो।

परिमोक्ष पुं. (तत्.) 1. पूर्ण मोक्ष, सम्यक मुक्ति, निर्वाण, मोचन, छोड़ना 2. विष्णु, सब को मोक्ष देने वाला 3. परित्याग 4. मल-परित्याग।

परिमोक्षण पुं. (तत्.) 1. मुक्त करना, मुक्त होना, छोड़ना 2. परित्याग करना 3. मलत्याग करना 4. आँतों को धोने के लिए की जाने वाली क्रिया, धौति क्रिया 5. निर्वाण, मुक्ति।

परिमोष पुं. (तत्.) चोरी, चुराना, डाका डालना।

परिमोषक पुं. (तत्.) चोरी करने वाला, डाका डालने वाला, डाकू, चुराने वाला।

परिमोषण पुं. (तत्.) चुराना, चोरी करना।

परिमोषी पुं. (तत्.) चोरी करने की प्रवृत्ति वाला व्यक्ति, चोरी करने का स्वभाव, चोर।

परिमोहन पुं. (तत्.) किसी की बुद्धि या मन को पूर्णतः अपने अधिकार में करना, वशीकरण, किसी की मति हर लेना, किसी को पूर्णतः विमुग्ध कर लेना।

परिम्लान वि. (तत्.) 1. मुरझाया हुआ, कुम्हलाया हुआ 2. मलिन, निष्प्रभ, निस्तेज, हतप्रभ, कल्पांत 3. जिस पर दाग या धब्बा लगा हो, दागदार पुं. 1. भयभीत, दुखित 2. दाग, धब्बा।

परिम्लायी वि. (तत्.) 1. मलिनतायुक्त, उदास 2. मुरझाया हुआ, कुम्हलाया हुआ, खिन्न पुं. आँख का एक रोग, तिमिर रोग का एक प्रकार।

परियज्ञ पुं. (तत्.) 1. किसी बड़े यज्ञ से पूर्व या बड़े यज्ञ के पश्चात किया जाने वाला छोटा यज्ञ, ऐसा यज्ञ जो स्वतंत्र रूप से न किया जाए, किसी बड़े यज्ञ से जोड़ कर किया जाए।